नसीबा

तूने मेरा नसीबा बनाया, है रोते को हंसाया
कि सांवरा कमाल करता
हाए
कि सांवरा कमाल करता...
मेरा गुलशन तूने महकाया, दीवाना है बनाया
कि सांवरा कमाल करता
हाए
कि सांवरा कमाल करता....

दिया तूने श्याम मेरे, जो ना औकात थी
किया तूने प्यार मुझे, क्या सौगात दी...-2
तूने नज़दीक मुझको बिठाया, है सीने से लगाया
कि सांवरा कमाल करता
हाए
कि सांवरा कमाल करता...

तेरी वजह से मेरी, हस्ती है ज़िंदा
शान से जीता है, श्याम का बन्दा...-2
सारे संकट से मुझको बचाया, फलक पे बिठाया
कि सांवरा कमाल करता
हाए
कि सांवरा कमाल करता.....

जिसपे जादू चलता है,श्याम सरकार का,
हो जाता है वही इस दरबार का...-2
राजू श्याम से प्रेम जो बढ़ाया,सदा ही मुस्कराया,
के साँवरा कमाल करता,
हाए,
के साँवरा कमाल करता....

तूने मेरा नसीबा बनाया,
है रोते को हँसाया,
के साँवरा कमाल करता, हाए,
के साँवरा कमाल करता
मेरा गुलशन तूने महकाया,
दीवाना है बनाया
के सांवरा कमाल करता, हाए,
के साँवरा कमाल करता।

https://alltvads.com/bhajan/lyrics/id/22790/title/Naseeba

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |